

## GI प्रमाणति घोलवाड़ सपोटा (चीकू) का नरियात: महाराष्ट्र

### चर्चा में क्यों?

दहानु घोलवाड़ सपोटा (चीकू) की एक खेप महाराष्ट्र के पालघर ज़िले से यूनाइटेड किंगडम को नरियात की गई है, इससे भारत के [भौगोलिक संकेत](#) (Geographical Indication- GI) प्रमाणति उत्पादों के नरियात को प्रमुखता से बढ़ावा मलगा ।

- चीकू को कई राज्यों कर्नाटक, गुजरात, महाराष्ट्र, तमलिनाडु, पश्चमि बंगाल और आंध्र प्रदेश में उगाया जाता है ।
  - कर्नाटक को फलों का सबसे अधिक उत्पादक राज्य माना जाता है, इसके बाद महाराष्ट्र का स्थान आता है ।

### प्रमुख बढि

घोलवाड़ सपोटा के बारे में:



- यह फल अपने मीठे और बेहतरीन स्वाद के लयि जाना जाता है । ऐसा माना जाता है कपालघर ज़िले (महाराष्ट्र) के घोलवाड़ गाँव की कैल्शियम समृद्ध मट्टि से इसमें अद्वितीय स्वाद उत्पन्न होता है ।

महाराष्ट्र के अन्य GI प्रमाणति उत्पाद:

- अल्फांसो आम, पुनेरी पगड़ी, नासकि वैली वाइन, महाबलेश्वर स्ट्रॉबेरी, [वारली पेंटगि](#) ।

भौगोलिक संकेत (GI) प्रमाणन:

- GI एक संकेतक है इसका उपयोग ऐसे उत्पादों के लयि कया जाता है, जनिका एक वशिष्ट भौगोलिक मूल क्षेत्र होता है ।
  - इसका उपयोग कृषि, प्राकृतिक और नरिमति वस्तुओं के लयि कया जाता है ।
- भारत में वस्तु के भौगोलिक संकेत (पंजीकरण और संरक्षण) अधनियम [Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act], 1999 वस्तुओं से संबंधति भौगोलिक संकेतों के पंजीकरण तथा बेहतर सुरक्षा प्रदान करने का प्रयास करता है ।
  - अधनियम का संचालन महानयित्त्रक पेटेंट, डिज़ाइन और ट्रेडमार्क द्वारा कया जाता है जो भौगोलिक संकेतकों का पंजीयक (Registrar) है ।
  - भौगोलिक संकेत रजिस्ट्री का मुख्यालय चेन्नई (तमलिनाडु) में स्थति है ।
- भौगोलिक संकेत का पंजीकरण 10 वर्षों की अवधि के लयि वैध होता है । समय-समय पर इसे 10-10 वर्षों की अतरिकित अवधि के लयि नवीनीकृत कया जा सकता है ।
- यह [वशिव व्यापार संगठन](#) के बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार-संबंधी पहलुओं (Trade-Related Aspects of Intellectual Property Rights- TRIPS) का भी एक हसिसा है ।

- हाल के उदाहरण: झारखंड की सोहराई खोवर पेंटिंग, तेलंगाना का तेलिया रुमाल, तर्रिर वेटलि (केरल), डिडिगुल लॉक और कंडांगी साडी (तमलिनाडु), ओडिशा का रसगुलला आदी।
- कृषि और परसंसकृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (APEDA - वाणजिय एवं उद्योग मंत्रालय) का ध्यान GI उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने पर है।
  - बिहार से शाही लीची यूनाइटेड किंगडम में निर्यात की गई है।
  - चीन के बाद भारत विश्व में लीची का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है।
  - इससे पहले आंध्र प्रदेश के कृष्णा और चित्तौड़ जिलों के किसानों द्वारा उत्पादित GI प्रमाणित बंगनपल्ली और सुवर्णरेखा आम (Banganapalli & Survarnakha Mangoes) की खेप दक्षिण कोरिया को निर्यात की जाती थी।

स्रोत: पीआईबी

PDF Reference URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/exports-of-gi-certified-gholvad-sapota-maharashtra>

